नक्सली साजिश मामले में NIA ने 12 जगहों पर छापेमारी की

चर्चा में क्यों?

भारत विरोधी साजिश मामले में [राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)](https://www.drishtiias.com/hindi) ने उत्तर प्रदेश और बिहार में 12 जगहों पर छापेमारी की।

मुख्य बिंदु:

- कुल में से, **उत्तर प्रदेश के बलिया** ज़िले में **11 स्थानों** और **बिहार के कैमूर ज़िले** में एक स्थान की तलाशी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के **आतंकवाद विरोधी दस्ते (ATS)** द्वारा दर्ज मामले के संबंध में की गई थी।
    - तलाशी अभियान के दौरान, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड सहित **कई डिजिटल उपकरणों** के साथ-साथ प्रतिबंधित **नक्सली** संगठन के पर्चे जैसे **आपत्तिजनक दस्तावेज़** ज़ब्त किये गए।
- NIA की अब तक की जाँच के अनुसार, प्रतिबंधित संगठन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश सहित **उत्तरी क्षेत्रीय ब्यूरो** में अपनी उपस्थिति को फिर से सक्रिय करने के लिये सक्रिय प्रयास कर रहा है।

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA)

- **NIA** भारत की **केंद्रीय आतंकवाद-रोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी** है जो भारत की **संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता** को प्रभावित करने वाले सभी अपराधों की जाँच करने के लिये अधिकृत है। इसमें शामिल है:
    - विदेशी राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण
    - परमाणु और नाभिकीय सुविधाओं के
    - **हथियारों, नशीली दवाओं** और **नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी** तथा सीमा पार से घुसपैठ।
    - संयुक्त राष्ट्र, इसकी **एजेंसियों** और अन्य **अंतर्राष्ट्रीय संगठनों** की **अंतर्राष्ट्रीय संधियों, समझौतों, सम्मेलनों व प्रस्तावों** को लागू करने **के लिये बनाए गए वैधानिक कानूनों** के तहत अपराध।
- इसका गठन **राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA) अधिनियम, 2008** के तहत किया गया था।
- एजेंसी को **गृह मंत्रालय की लिखित उद्घोषणा** के तहत **राज्यों की विशेष अनुमति के बिना** राज्यों में आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जाँच से निपटने का अधिकार है।
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली

भारत में नक्सलवाद

- नक्सलवाद शब्द का नाम **पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी** से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी। विद्रोह की शुरुआत वर्ष 1967 में **कानू सान्याल** और **जगन संथाल** के नेतृत्व में मेहनतकश किसानों को भूमि के उचित पुनर्वितरण के उद्देश्य से की गई थी।
- पश्चिम बंगाल में शुरू हुआ यह आंदोलन पूरे पूर्वी भारत: छत्तीसगढ़, ओडिशा के अतिरिक्त आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्रों में भी फैल गया है।
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली **माओवादी राजनीतिक भावनाओं** और विचारधारा का समर्थन करते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nia-raids-12-places-in-a-naxal-conspiracy-case